IMPACT FACTOR : 5.2331(UIF)
REVIEW OF RESEARCH
UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514
ISSN: 2249-894X
VOLUME - 7 | ISSUE - 10 | JULY - 2018

'तौलिये' में व्यक्त पारिवारिक जीवन में वर्ग संघर्ष

डॉ. अमोल विठ्ठल पालकर
स्नातक एवं स्नातकोत्तर हिंदी विभाग,
बलभीम महाविद्यालय,बीड

प्रस्तावना :

उपेन्द्रनाथ अश्क श्रेष्ठ कथाकार के साथ-साथ श्रेष्ठ नाटककार भी है । उनके नाटक वास्तविकता को स्पर्श करते हुए पाठकों का ध्यान यथार्थ की ओर खिंच लेते हैं । अश्क जी ने लकीर के फ़क़ीर न बनकर अपने नाटकों को बिल्कुल अधुनातन धरातल पर प्रस्तुत किया है । 'तौलिये' नाटक स्वभाव की भिन्नता और वर्ग संघर्ष के दुहरे धरातल पर चलता है | साथ ही एक विशिष्ट वर्ग के अहम् को भी उजागर करता है। |

नाटक की नायिका मधु एक विशिष्ट वर्ग में पली-बढ़ी है | अभिजात्य वर्ग के संस्कार उस पर हुए है | | उसके सर पर सफाई की सनक सवार है और वह एक विशिष्ट हद से बाहर जा चुकी है | इस कारण मध्यवर्गीय परिवार में पला हुआ उसका पति उब जाता है और क्रोध में उसे छोड़कर चला जाता है | इसी बीच मधु अपनी आदत को ठीक करने और अपने आप को पति के अनुरूप ढालने का प्रयास करती है | लेकिन जब पति अचानक वापस लौटता है तो उसे एहसास होता है कि पति उस पर बिल्कुल नाराज नहीं है | उस पर फिर सनक हाबी हो जाती है | नाटक के अंत में पुराने झगड़े की पुनरावृति होती है | इसी को लेकर अश्क अश्क जी ने नाटक के कथानक का संयोजन किया है |

कथानक की घटनाओं में महत्वपूर्ण बात सामायिक यथार्थ की है | सफाई की सनक एक कारण मात्र है | दोनों पति-पत्नी का संघर्ष केवल दो विरोधी स्वभावों का नहीं बल्कि दो विरोधी सामाजिक संस्कारों तथा दृष्टिकोणों का है | मधु अभिजात्य वर्ग की लड़की है | उसे तमीज़, तहज़ीब, अनुशासन सफाई के नाम पर सबकुछ सिखाया गया है | इसी कारण मधु एक विशिष्ट ऐनक लगाकर ही पति की ओर देखती है | वसंत कहता भी है 'तुम्हारा वातावरण मेरे वातावरण से घृणा करता है ...तुम आदमी की सहज भावनाओं को निर्मम वर्जनाओं की बेड़ियों में ऐसी बांधकर रखना चाहती हो कि उसकी रूह ही मर जाय |"[1] वसंत के वक्तव्य से ज्ञात होता है कि समाज का अभिजात्य वर्ग हमेशा दूसरे वर्ग को मूर्ख, गँवार और असभ्य समझता है | जब तक यह वर्ग भेद बना रहेगा तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा | इसतरह नाटक स्वभाव की भिन्नता और वर्ग संघर्ष को अत्यंत सफाई से स्पष्ट करता है |

मधु और वसंत के घर की यह कहानी है | मधु एक विशिष्ट अभिजात वर्ग में पली और उन संस्कारों को विशिष्टतापूर्वक अर्जित किए हुए है | उसे सफाई पसंद है लेकिन उसने सफाई की सनक को एक हद से

Scanned by CamScanner